

MS. A. 1. 1. 1. 1.

570

LEMAN AND SONS

यथासुखम् ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं कामसुखं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
य ॥ ॥ सगोभिः अहो अहो ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पायययायल यदि तत्र स्या जितल श्री सत्र श्वनि वा
या हायिः वसि यद मी हा मृगुतिः अत्र ॥ थ म क न व
के न ज य त यं य ग ल य भा त स त हा क म वा ना न वू य र
॥ * ॥ ॐ सा त्रि सि त्रि मा हा सा लि सा त्रि मा वे नि
य हं रु द स्वा हा अत्र ॥ त श्व ज त या उ हा न कः सा त्र को

थ य इ त ॥ ॥ ॐ रु द्रा त स थ म द्रु म त्रु म हा व
त्रि द यिः उ वा त वा त र या द्रु उ ज हा हं ज नि सि द्वि उ
त्रु वा रु हं रु स्वा हा ॥ अत्र ॥ थ म न ला हा वा व द ज ज य
त्रयं य ग्य त श्व य म य रु ग्व त थ उ ज स त यः थू याः रु त या
दे उ ता याः कि सि या रु य ना स इ त ॥ ॥ वि म

गद्यगायत्र ॥

॥ ॐ नमः कुमाराय सर्वगुरुसहन

सर्वकथनासापसाहा ॥ धर्मं न च्यातातु यथा नातावा नख

मवाकस्यायक अयि नवाता याइत ॥

॥ ॐ नमः

गुणगुरु नमः ॐ नमः गुणगुरु शक्तु वरख लुदति ववरख
लुदयि जात्य गुणम नखत दादि यथि त्यागा निर्व

धुदागानी वंउला तव धजिवर्व धुगुगुर्व धव धल गुगु

यतम्यसुत वंउसुय याक द्वाहि हंउ सुहा ॥ धात न ध

मं कुनसिंदीत यूजायाय गिय थमः सर्वभाहन इत ॥

वकुं जागिनी वुओ दयि सिषा अग्या हंउ सुहा ॥ धात

३३ सायं ललला विर्कलला मिऊन वाइ इत साउव

सुतय ॥ धमाहनिशयथममियतित्रिशाहनडात ॥
आमउतू आझाकल २ डल २ हाहालजाईड ८ स्वाहा ॥
धसिककसजयतयू ॥ ॥ ॐ नमसिद्धिउ
ले आझा ॐ नमजासुतिः खनकु रतात्रिनयस्वाहा ॥
॥ झाझालस्वानडात ४ मदनसा ॥ ॐ ५ पूर्वस्वया

स्वदनयाय थआसिलसद्वयत्यकआवकुत ॥ ॥
ॐ तिसिहंते बुडकात्रथातकायकसगायय मजायईन
आसनैवकुतहाईड ८ स्वाहा ॥ धा १२ थ मकुनलखडपा
आमानक अत्रियातनास ॥ ॥ ॐ य अयकियस्वा
हा ॥ धात ॥ थस स्वा नयूयः तयमान्य ॥ मजनयासैखाड

मौ वहात्र ॥ रुद्र मइ इत ॥

॥ उ वजवा ताहि सतु

विहन ॥ इहु उखाहा ॥ आत्र ॥ कि वयत्र जय हात्रः सर्व इइ
आ सहात्र उवाहन याय इत ॥

॥ उ र्य अर्य ही

य स्याहा ॥ अ ६ ॥ लख जय व ता नक ॥ भवन म
खू मा हा मुलि का थ य इत ॥

॥ उन म इ

व द र्थ इ यी हं रु ॥ आ कुत गव २ ज या उ इ य क मि
खाम कं गा गा उ सा स द यी व स ॥

॥ उ न म क

नु स व लि यं क स का ला रु न र्व न्था मि स्याहा ॥ अ १

य मन सि ता य रु क ति रु यो व रु थ नः यो नः थ स न्ना
स इत ॥

॥ उ सि दि र्नु न्दा यः सि दि र्नु वि नि र्

खिलि रहं इह स्वाहा ॥ नसा जया वनक ॥ इना सहन ॥
॥ ॐ नमो आदस ॥ उत्तका मृगा विनिमित्तिनीया
बनिथ वकति अजया उकि ॥ धु ॥ धम कुतखाया
हस्ययाः नाना यषि सम स्याग न वन्य मरु इना जया
२ ॥ ॥ वात सङ्ग सया थ ॥ वस्य मनु ॥ २ ॥

वायान यज्ञ हः उत्ता अकयः थ वि कि हृदि निमय न
इना मनु अजय यात्र कि या व न की ला वह नः उत्तकि
सगाति म त्रि रुगाति अजय यात्र कि या वा ह न ॥ ॥ ॥
ग न वन्य मरु इना ॥ ॥ ॐ नमो उत्तदा सिनि
खन जा मयि कुलि कु मय विल क न ग वि खय न ह

लक य महा ग कृ तिक ग या ग रु त्रि स्वाहा ॥ अ ३ थ म कु न
आ कु ग ड प्र य हा लाः यु क सि नि रु ग ॥ या य रु ग ॥
ॐ गुरु आ क्ता र्व र्व र्व र्व ह मा ल म कु ॥ मा स न अ य म
वन मा ग ल या ग ॥ ना सः स उ क्क द मु रु ग ॥
ॐ हि ना य ल ह रु पु स्वाहा ॥ ॐ त्या मा व न ह रु रु स्वाहा ॥

ॐ यि ना य ल ह रु रु स्वाहा ॥ रु ला ग व उ त्रि का या हा ग ता
द न मा ग न म कु रु ग ॥ ॥ ॐ ह ही ही ही ही ही
हा थ हा थ न य स्वाहा ॥ आ कु ता ग रुं ग या य थ ल वि दा
ब रु या य कु न स थ न व क उ व रु ग ॥ ॥ ॐ ग
ग दा ना थ ॥ म रुं उ ना थ ला हि या उ र्व ग ग ग नि सा गि

निडुग्गव न तिर दाक न षा मरु डु गिग्गु नू ह म ल दाना
थजिका वा व ह न ॥ थ म कु न विर ति थ न द्यु थ म य स य
क न सै थू न्यः व स थू द ग य स म न वा क सि ति अ न्य क
न म म्प या ग सा न च्छ म लालि व व स व न ॥

द कु म कु थ उ ॥ क या ल स र्प ल या उ वि न्द्र ति ग मा ह

म द या म कु सा य ॥ वा ल इ न ॥

॥ उ र्त्त र क्थ

य स्या ह ॥ क न वि क या स वि ॥

॥ उ सि दि

ॐ नू आ ग्म ॥ हौ हौ हौ ग्रा ह त्रि व त्रा स्वा हा थ ॥ थ म

न सा स्य स वि व व क पि का य इ न ॥

॥ उँ उँ

का किं कुं कुं = व ड थ ग्री स्य आ ह्ना ॥ थ म २१ थ म

कुनविजयतयावः मिसायाद्वनमिसमयकमि
सायावृग्वतमिहिनकथममखगात्रायनिथद
नकइम ॥ ॥ ७ हसर्वेतिहिसनयैयि

हाई इटसाला ॥ अत्र ॥ ह्यादुकाद्वयठ ह्यायाहाडि
निषत्रयिस्यकायकाखायकथनवरयाव्हियइम ॥

ॐ आगिकाकालियातायाद्व ॥ थमनुनेआकुपजय
तयहात्रमवमयाविद्यास्यायमान ॥ यगाडिआइम
ॐ हकनाःसुयकनातूनाःकतूनाथसायइम ॥ मिह
नुनाथःययगुनाथःध्यागिगनाथःम्यतायानत
ह्याकना ॥ अत्र ॥ गालावाग्वतजकायाडाःवासया

यथासक्त्याः धनत्राहस्योदयैर्यथैवियडादिगः सैवित्त
तनःतिदक्कायः द्वायापूर्वक्कायः धनत्रियक्किमक्कायः
धनत्रिदक्किनक्कायः धनत्रिःउगक्कायः धनत्रिःअका
सक्कायः धनत्रि आकासक्कायाग्न्यग्नान्नतःअनथ
मथानः धसकतः वित्रिवत्त तिवक्कायासातःवागय

रुयःश्रूयारुयः वाकसिनियाःयसियाः जिबाजं रुया
रुयःरुयमइइताः कसयत्ताकक्कि यमाततिववत्त स
ऊयैर्यैक्कायइता॥ ॥ सात्यावकुसात्यासा

हा॥अत ॥ सातकोथमनुभावाव्यमइया रुयक॥

॥ उमहावता महाविल्लाहाहाहुहुहुहुहाहा

॥ अतः तस्य ज्ञययाता नानक मवावु यरुख ॥

कमरसरतात विकसितयवाद समिदवाग हल्लवा ७
यासुदता भित्तिवागजु मकिं तिव हितक यइ मकुम्भत ॥

॥ अमलुनभी वावुय मरु न सा सन क्रस वूनर्ल
ख ज्ञयनया व नानक भावावु यरुख ॥ ॥ त्य

नु पूत सवदनका खय ववनका खवि सरवा लव मि ७३
वै निय सति निस्वाहा ॥ अतः ॥ सात स नाहिस मितक
मवावु मरुवु यरु युज्ञत ॥ ॥ गम यकाता रा

जन सवायाता गम यकवु युज्ञत ॥ अथ कथ वानता ॥

७	१	२
१	७	३
२	३	४

॥ यत भग्वति कृतं जं विनवजं विनव जं थ

सयगदजं वितवदजं वितमात्रका नजं वितकात्रका ॥
नोत्र का ॥ न हि दा य वल्लुं स खंलु ग हत्य वं ड क कं न
क किं का हं भ कि क हं थ न यू का हं व ग त्रि यि का का हं ग
न ग न व न विसा त दि थ मि थ अरु क न स न न नि वि
सा वा द य व यि नि स गि म् त्रि सिं धि ग न क या व न ज

न त हा ई ड म स्वा हा ॥ अ त ॥ भा वा वृ य म ड या वि क न ड
य थ भा त सा क या द ड उ उ या थ का उ ड या कि मि या त
स्व ता द्या ल स लू य ॥ ॥ थ थ सू न य व म हं ड ड स्वा
हा अ त ॥ म वा वृ य क न ख ड य न या व गान क ड या ॥

॥ उ व मन म न नि ख त वा नि क सिं ड य ड न या मा नि
क ड ह वि स मा नि त्रि जा वि स स्वा य ॥ अ त ॥ सा स्य वि

कंयाजिउ॥ द्यागस्याकयाजिउ॥ मवावूयकजिउ॥ सम
नयाजिउ॥ हिङ्गि। यजिउ॥ रूउउयाजिउ॥ ॥
यतुसवमखनहउगस्वाहाआत॥ मवावूयमरूयात्रुख
जत्रयाउत्वनकइत॥ ॥ श्वनिसगकागहउ
हस्वाहा॥ आत॥ अविद्यातनमवावूमरूयात्रुखजत्रयात्त
उतानकइत॥ ॥ नमनमणनितवतवानिर्हि

यमरूगय॥ मनिक्जयहाविद्यानानियाःजाविस्यवा
य॥ थमणरथात॥ विदूउउयूयःयात्रूकजविदूजजव
याउनक॥ नगतमद्विदया॥ तखजययाउनक॥ द्याग
स्याकयात्रखतानक॥ कादस्यववयाद्विय॥ राहागयूय॥
वसकुताया॥ द्याकुसथाकयायूय॥ तखतानक॥ तखत
नक॥ विदूययात॥ लागतविकनवूक॥ ननवूनया॥ पि

स्या य॥ मन्त्र उया॥ वात स्या॥ मे स्या॥ त्रश्वधानक ॥

॥



थ जगत्तन्त्र उयत्त सत्तन्त्र वन्दन
या स्यात्तन्त्र सका स्वायत्त ता कात्तन्त्र
किम्बिनद्यात्त स्यात्तन्त्रः किम्बिका
दयुत्त ॥



थ जगत्तन्त्रः सत्तन्त्र वन्दन
द्वयः मन्त्रात्तन्त्रः वा स्यात्तन्त्रः सा
वितात्तन्त्रः वा स्यात्तन्त्र इत्तन्त्रः यत्तन्त्र
सत्तन्त्रः दोरे किन्त्रात्तन्त्रः आदि
न थवत्तन्त्र स्यात्तन्त्र ॥

रजपुत्र। उगुलिः कुथेदे। कावुद सात्रका थय॥

रताकिमिहा-वादीयः वंदील्लय-कायनसयदविश्यं
कुवर्क सात्रका थय॥

सात्रका थय॥

॥ ह्यादुववकनयु न स्यत्वनकः

॥ अया मागहाः सुनत्वमपुस्यैयं

यननहयाउ। भादसकुवक सात्रका थय॥

॥ सतान

रुसिनयनयूतावकार्यमव्व॥

॥ भवनमयनकं भा

उसकुवक सात्रका थय॥

॥ हाथकुजयाहाः सात्रयनि

हा॥ नरुसंयानि संतयुतयं नानंनः भावाव्ययके॥

काकजंगयाहाः मित्रियासय स्यकायनसयाउव स्य मूतखा

गाकसयाविकुनिकायाव॥ अजउग्वउ॥ सुकुकानव

स्यत्यद्रवयूत्रिनद्याउ॥ भावाननामवायक॥

हिंकुमदंगसा। अभाजयूमं ३ खादुयनंन स्य। कतिपुक्कनं

दुमानकः हिक्कयुके॥

॥ इडादातः काक ऊजः अया

अगः थश्वगासः कयायाः कायाउः मिसायाहः जतस

वियः मयाननानव्युअष॥

॥ सथुः हिक्कनः यादाः श्वदि

जायाउः मावाव्यिउः मरु मवाव्यः ननानमवाव्य॥

॥ इयहाः मिसायाः जतसविस्यः नकाजनव्युः वः॥

॥ यहावः अयामागः याहाः थनिगास॥ कयायाहाः

कायाउः नस्यद्वा निव्यातसः इथनः प्रावाननानव्युष॥

॥ हज विजनः जायाग जाया कावतियागाया माहासू

थक्षसूस्वाहा॥ थ मकुन थागा रातवजवर्गं त्वानकथ

तस्याकयावातकवुयकइत॥

॥ हज विजन

वनागाउयिकवतियागाया माहा विथथक्षसूस्वाहा

रुताकिमियाहाः ज्ञातुतागतज ॥ यत्रकाग्वर ४ ययूकाग्वर ३ क
यतसद्यत्रयिस्यः वृत्तयत्रसद्ययज्ञतः मयावूयकः मृगुज्ञ ॥
॥ जेमतायावता संजिसंजि इकामथ नूमहावता ॥ अत्र
॥ मसयाइइम वतयाज्ञतः वितखडा तयावत्वनकज्ञत ॥
॥ जेमतायावताः वकाम्यसानजात्रम्यसा ॥ अत्र ॥ मया

वूयकज्ञतः विकनजा तयावद्वूयकज्ञत ॥ ॥ ६
रुं मुं रुतुरु ॥ अत्र ॥ कयतिजा तयत्रय तावकया वूयक ॥ ॥ ६
मं उज्ञत ॥ ॥ उताज्ञताज्ञजिवत निस्वाहा ॥ ॥ ६
त्र ॥ वकनजा यत्रयः यातमूयः जानिसातः तखडा त
यातातावक भावावूक ॥ ॥

श्री ४४ महाकाव्य

570

ASHA ARCHIVES

पूर्व

नदी प्रसि

मार्गलि

दाकिल

पानी धल

पश्चिम

हुं हुं हुं हुं हुं

विक्रमा=सि

इत॥ यात्रया

यात्रया हुं हुं

॥

वामिपवासीदि

यात्रया यात्रया

यात्रया हुं हुं

यात्रया हुं हुं

यात्रया हुं हुं

कनका कयकृत् रवन्तः यात्रया यात्रया हुं हुं ॥ हुं हुं यात्रया

पावासः ॥ सितात्रिः वा दूभिः यात्रया ॥ स्वता समलगया ॥

उकता स्रया यात्रया यात्रया हुं हुं ॥ ॥ सितायात्रया ॥

स्वाविजगता यात्रया यात्रया हुं हुं ॥ ॥ वित्रदेविका लदे

विजात्रि मास्त्रि कात्रि स्वाहा ॥ यात्रया ॥ यात्रया यात्रया

यित्रयम् यात्रया यात्रया हुं हुं ॥ ॥ उं कुं लोहा ॥

कासनु इय विष्णु यात्रया यात्रया हुं हुं ॥ ॥ यात्रया

यात्रया यात्रया यात्रया हुं हुं ॥ ॥ यात्रया

यात्रया यात्रया यात्रया हुं हुं ॥ ॥ यात्रया

यात्रया यात्रया यात्रया हुं हुं ॥ ॥ यात्रया

ॐ प्राययुतया यत्र वदितं तद्गुह्यं तत्र सा जितं सुति
न स्मृवाहावाहाय वसि यदति यहा गूढति ॥ थ मठ
यत्र ॥ यूयभावाव्यक मरु याः विकनज यावदियः
याग सस्य ॥ ॥ ॐ हहिं मवम न या सवि
स्मानामतज्ज्ञा तस्या यूतस वृ न का खगुव न का खवि

सखायु ॥ वतिः ॥ ॐ वि श्रा तस्या ॥ सुति स्वाहा ॥ थ मठ
॥ श्रा तसः नावि सः जानित तिरकः भावाव मरु यादु मरु
॥ ॥ ॐ तत्र निता य भा वय नि भा वय भा व्य नि
भा ऊ यजि वव द स्वाहा थ मठ ॥ दे क नज मठ या उ सित स ना
हिस गित क ॥ सात का थ य मठ इत ॥ ॥ ॐ सा त

साल माहे साल साज नि य स्वा हो ॥ धर्म कुकारांतरं व
 जयं त्रय मानकं यागसः मया वृय मद्रया ॥ वृयः श्रुतं
 स मानकं यिकन जयं यागसः श्रुतं साज का थ यक इ
 त ॥ ॥ उ माज न ग इ मा ल हं रु ट स्वा हा ॥ याज न
 व कन जय त याग वि मा या वृय रु व याः व श्रुतं याग स ग य

वक्तुं जयत पादविभायाव्यरुवयाः वऽवधात सतय

दाथाससुवक ॥ ॥ वज्र ॥ ॥ आ श्री वज्रक
 यात्र ॥ वज्र यानि ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धर्मकुन धा
 त ॥ भावावयममरु यात्र ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धर्मकुन धा
 रुतः ॥ दृष्टी नय धात्र का विषयता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धर्मकुन धा
 मानक ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धर्मकुन धा

रिउउ विनिउरुं यागसु कडे उवगा उ अविं विरु
हा॥ यकन जयं रं व यागस सु क अय मागन मया वयुरु
क॥ ॥ ॐ म सय ॥ सास कादं मद यस्य था द
या॥ सिमर सः सि किं उः क स र दः काया वः द स वि
यः त का ल नः ॥ म र का द यि व ॥ ॥ भा वा

व्यमरु था द या॥ स्वयं दाय का उः स्यं यूः दिदः वृद
या का वरु स्य गा न क॥ न नानं जाय ययी उः वृ उा सि व
इ ना ॥ ॥ स न अयः तादि त या हाः ल ख स
द स झा स रं ॥ थं दं न॥ न नानं ॥ भा वा जाय लयी व इ
॥ ॥ भा वा व्याम रु य क इ त॥ क रि

गयाहा ॥ रुतसिंयाहो संक ॥ निगायाहुगा कायाउगा
नकं मवानना नवृयिउइत ॥ ॥ काक ऊगात्रया
हा ॥ मित्रिखासविय ॥ भायावृयकइत ॥ ॥
ॐ ॥ अविअयभाखाहा ॥ अत ॥ विकनजयत्रया
वियद्याथसूरमवावृयकइत ॥ ॥

वागंविगीः नागायनिः नत्रसिंगीकिंवायाः इहंरुटसा
हाअत ॥ मवावृयमरुया नामददाउः आऊनउविहृत
नायस्यादाउहाताउकायननानवृयिउइत ॥ ॥
ॐ ॥ अविअयभाखाहा ॥ अत ॥ विकनजयत्रया
वियद्याथसूरमवावृयकइत ॥ ॥
ॐ ॥ अविअयभाखाहा ॥ अत ॥ विकनजयत्रया
वियद्याथसूरमवावृयकइत ॥ ॥

मै न आदनया पशुन चर ३॥ ॥ ॐ कुमालिवास्व कु
मात्रि रुद्र स्वाहा ॥ चर ३ कुमात्रिया जाय याय दग धन दडा
स गोखरु यिडाख सग्यरु ॥ ॥ ॥ ॐ नमस्तु ग्री सवका
असीरुय स्वाहा हं हं हं हं हं स्वाहा ॥ चर १ मात्रनः सदडा
जाय याय नमः सुजनुका ॥ ॥ ॐ अहिमतान
न य स्वाहा ॥ चर १ थ मुं न आदनः मात्रनः मात्रनरुना ॥

ॐ विलम्बि महायि सावि विष्णु दया ००० स्वाहा ॥ थ मुं न
कनयि साव यादा भव या मन सदागुः सिय कशर थ मुं न
कनयि सावी धायरु ॥ ॥ ॐ नमस्तु वावति
नमः ॥ अकासवल्ल सुज अमाका हाहा मंदर इन्द्र इन्द्रा
इन्द्राः यीथि मंदकिवा वागुत्तु ह्री अमक स्य स्वाहा ॥
चर ६ मसानुव वनी रुतया ॥ १ रुद्रया कया न मीषा मात्र

महानिद्रयथमिषासप्तय ॥

॥ कामाश्चमाका

प्रवसाहाधर ॥ नवतनवतसाल ॥

॥ लवानिवावा

युष्मत्माहादेवतायात्रवतिद्वाहाउरुद्वाहाउरुद्वाहा ॥ का
मैहाय ॥ ॥ उजावाकुवातामकीमानयसाहाधर ॥ थू

उमैठनकाययायः ग्वतकयानामकाः मुदलसवाकावः वा
ययायः ठुरी ॥ अथताशयी ॥ अरु ॥ ॥ यहन

हरहरदाहीनीसाहाधर ॥ शम्नायलोकाथाम ॥ यहय
रतागवसिथीयातिसदायकाम्भमरग ॥ ग्वतनयमानु ॥

॥ ॥ विष्णुमाताः वल्लसाहाधर ॥ वीष्णुयायसता

शतः सवयात्ररुद्रमात्र ॥ जवाकमात्रनयायनरुद्र ॥

॥ रनी ॥ कथमैसिवनामम्भुअद्यायनरुद्र ॥ ॥ खयनः
तितित्याईकुतः हिः जतामाः वाथुतिदतसहयावः यका

वृत्तिविवाग्बन्धुयान् महन्निद्रय ॥ ५२ ॥ ॥ ७३
त्रयावावा ॥ आखाजम् मासाहयामिकसि जसखुखाया
संयु म्वायार्थकी ॥ यकावः अवित्रिः इगिसदाः हनयाख
ज ॥ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ आदसगुर्का ॥ आकासवात
कीकाहाय ॥ गवतनाम आथावायान् आकाशधर २१ थम्
उन ॥ ह्यादुवतवृनीयाहिसः काखया अजः यतनवाकः

तिस १ मसिनयवतिः हनदातः हीः मधुत्रियसुमयान्
साधिरयातः मत्रव ७ मात्रः हन्मार्त्तनयाकेयातसः महनी
कायः थुगुम महनीः उत्र मात्रः कानिकायजायाय मात्रका
हानदयूखाया मात्र ॥ ॥ ॐ वित्रमस्विमहाविसा
वि अमृक ग्नाहनरयव २ ग्नासिंधुः वससमानायसाहा ॥ थम्
नजाययाय जम् सिद्धिः थम् मन्त्रमन्त्रनः कृकः मः गवतवलनः

रजयतु सवायाओ को खाय नडा ॥

॥ ॐ अग्ना जनेति ॥

युजं यनः जय यन के था लात हात भा भे हा ता न इत्य हतु मं न
वित कि द्वा हाय ॥ अग्ना ता यः मिता यं जत ॥ २२ ॥

ॐ मिह र्थ लि हा थ वती गुत्वा याः ॐ या द्वा नि कि द्वा हि तु य व ता
तु द्वा ला तु त ग व ग व ला ला हा था ॥ १०० ॥ जाय या य मा ल भे न
या य मु स न स या य वा ॐ पु न स ॥ ॐ मा या याः जि र्थ या या ॥

स का ख या या ॥ थ ज य या दा उ मि मा स र वा य व त्रि त्रि त्रि न ह
य थ या व स न म न डा ॥ ॥ य न भा दि सि दि ता क ना

य ना व नी ॥ ह सि ह सि म् र व या त्रि य य नि नी वि द्या प ल भ ॥ १०
त्रि की वा ना थ न ३ सि ध त ज य त्र या ज उ नि य ॥ र व या क्क त स
॥ १० ॥ य स्य रु त ॥ ॥ य न म् म डे खा त हा त म् दी

न क ता र्थ त व क्का वि बु क्क ता न ~~समायत संकला~~ थ न ३ भा न
स मा य त सं क ला

स्याकय्य ॥

॥ ॐ ॐ ॐ ॐ स्वाहा ॐ १०८ यत्र स्व

यादवात्रस थन मिसा न थन मात्रता मजि ता न तु न न न न न
न म न न न ॥ मिज न यात्र स्वाका स थन न न न न न न न न न
न य मात्रः थु य ग उ ग ग गी मात्र ॥ १२८ ॥ ॥ ॐ जि व नानि

य हि स्वाहा ॐ १०८ उ न मात्रकः उ न न न न न न न न न न न
का थ न या न वि यः या न न न ॥ ॥ न व कू मा त्रि व ज

जी गी १२ आ हा ॐ ३ वि थ स क्का स्य न या सिं थु न ज य न य
थ म न नि यः मि सा व स्य न न थ म य या क्क मि सा स्वा न क न व
व स्य न न ॥ ॥ ॐ न न न न न न न न न न न न न न न न न

ज व मि न
ॐ जि ति सिं धि ना म स्वा हा १ हा थ कू ति ना य मि सा व स्य न न ॥

॥ ॐ ग म ल श व ना थ म न्द्रि ल ना थ वि न यु न्द्रु ना थ ज य

कनय। आलम लोये हू या ब। गग महा दे व के आकाः सररु
न॥

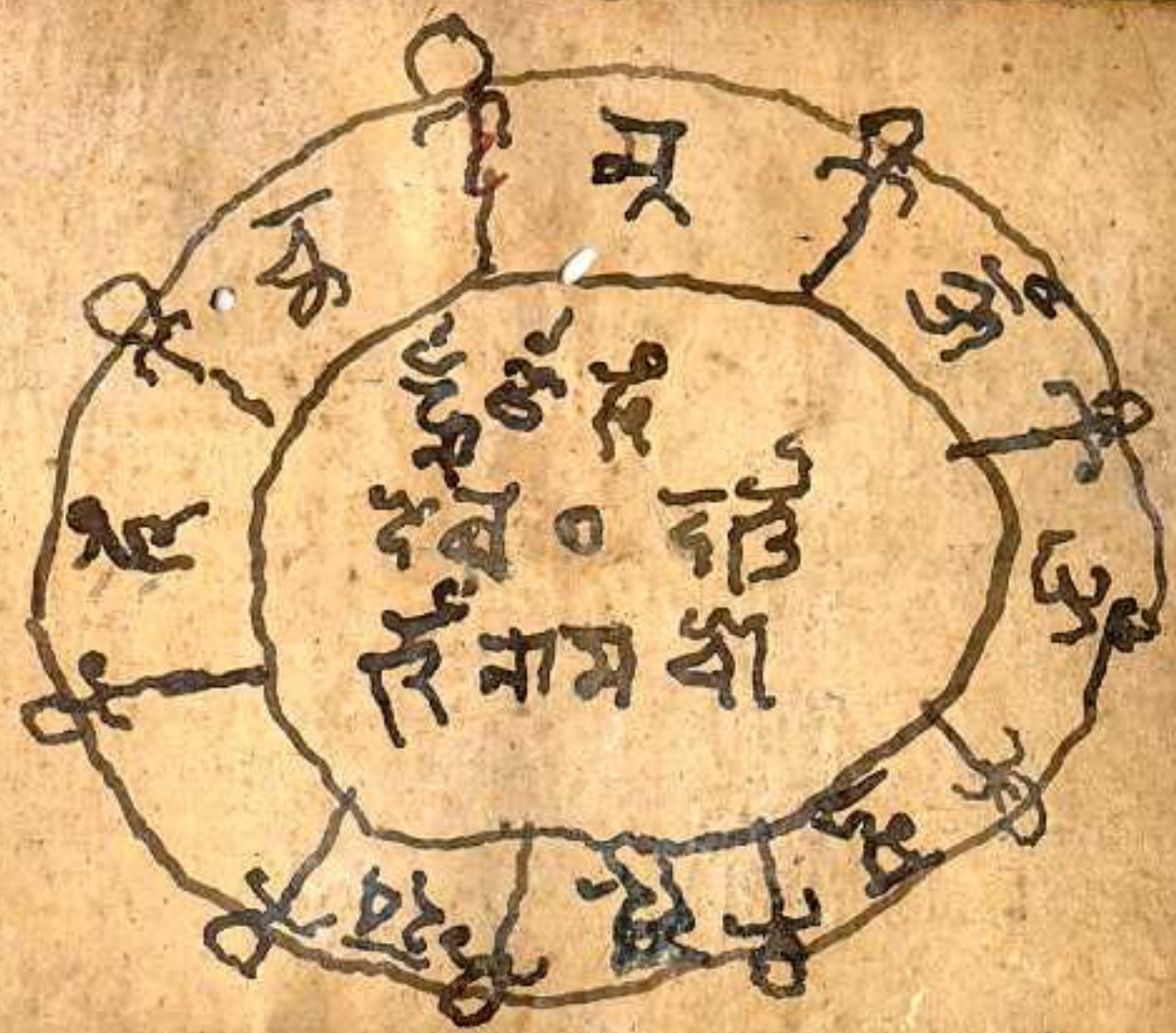
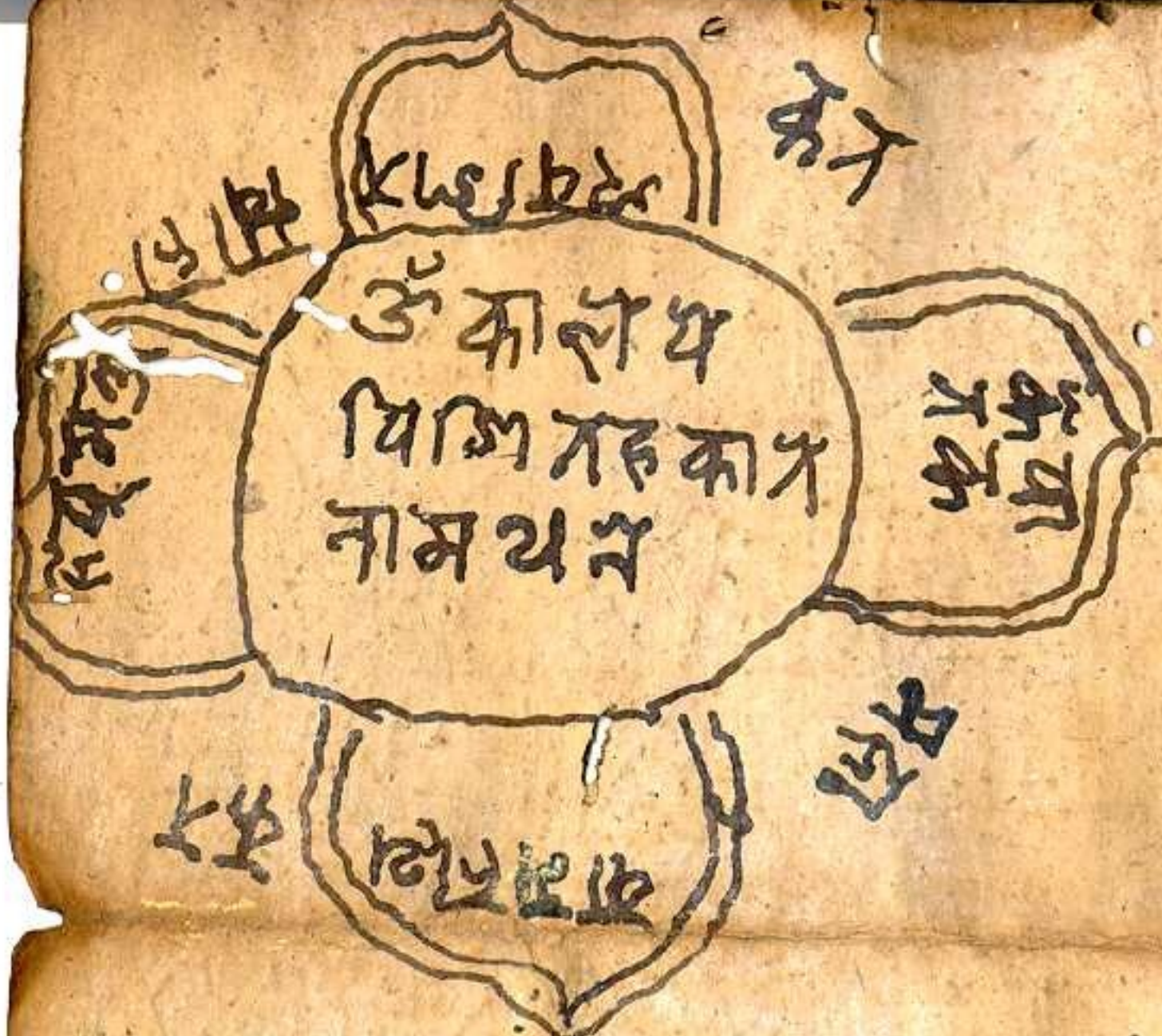
॥ कृकृ१ल्ल१सवमंगकृकृसाथहृहृकृकृन स्वाहा
॥ ॐ

आदि१०१ नाययायमं मुनिं वशं यैयु॥ ॥ ॐ
आदि१०१ नाययायमं मुनिं वशं यैयु॥ ॥ ॐ
आदि१०१ नाययायमं मुनिं वशं यैयु॥ ॥ ॐ
आदि१०१ नाययायमं मुनिं वशं यैयु॥ ॥ ॐ
आदि१०१ नाययायमं मुनिं वशं यैयु॥ ॥ ॐ

वात माता मयिथ थयिह श्वत्रय स्वाहा वात २२ सव सु॥
ॐ मिथी नाथः वृषर्षि न स्ववथ नयस्वाहा थ हं न स्वाहा वा
न ३॥ ॥ ॐ वनवाद्यकि आका॥ गव्यायाव तिसरु
॥ ॐ नमो देववाया॥ वनयस्वा वनयस्वा गव्यायाव तिसरु
न रुययति कृदय स्वाहा वात॥ कागिरा थ वृजु कवाय
नम॥ थुर्मु न गउ गी वनश नउला वा थययाय॥ वनउरु न

कक्ष त्रुति ॥ वल्लो वनवाद्यसववस्वासाहाधनग त्रुति
द्वग्वर २३ ती न व नी व २२ ॥ ॥ ॐ ज द व नाथ
न ह्यु व ग ज ग मं पु य स्वाहा व्धायन मा ५ वं द्या रु मा
य संधाय अं का स य २ ज २ थ ती या थी मा ता न म ॥ ५ ॥ ५ ॥
इ यु मा न मा रु ट स्वाहा धन ३ ॥ ०० स व मु मि र २ २ ॥ ३ ॥ ३ ॥
य या न ॥ ॥ ह व य का न ॥ जा हं म सा न जा हं म ॥ ५ ॥

न धा न ग र वा स त यि मा या मा न व स थ न ना म का या मा न
क्रु थ या ३ ॥ ज व या य थ यी मा न स य ॥ ॥ ॐ ॥ ५ ॥ ५ ॥
ह र्दु त स्वाहा ३ ॥ व ना व ल ह र्दु त स्वाहा ॥ ३ ॥ ग ग व ल ह र्दु त स्वाहा
यि ता व ल ह र्दु त स्वाहा ॥ ३ ॥ स्या मा व ल ह र्दु त स्वाहा ॥ ३ ॥
ॐ ग रिका ३ ॥ हा न गा न न मा न न श ॥ ॥



कूकूम ग्वरवृत्त नः शिखरुनी
 लजप्रु सदा यावः १ धवकुधा
 स्यः क वाग स ध्याग के नः ३ गत्र
 स नः वः सदा काग्न माग स्या क
 याग आ शनाः थ मं कन कन ज
 यनथ

१ कूकूम ग्वरवृत्त २ लज
 प्रु सदा यावः स मला
 यादाः मवा या लजा
 वियः वृत्तः शिखयाग
 माग शी ज शना ॥



वावृत्तजात। विष्टकात।

था। ला। चल। प्रावात। प्रवा। ऊँ
 वृ। यज। नव। टिका। ज। लावृ। कव
 यो। मा। ग। लं। सि। मान। सि। मा। ला। रा
 ला। इ। ला। वा। आ। य। ख। मे। ना। य। त
 दि। ख। स। प। वृ। ज। न। त। त। यं। म। म। वा
 व। स। व। दृ। म। म। म। वा। स। वा। मे। त। जा
 विक। पु। जी। या। त्रि। दृ। आ। त्रि। ना। वि। त।

न। तु। द। से। त। या। म। जा। ग। म। न्या। सा। न्या। हि। सि। म। अ। कृ। क। डा। प्र
 म। म। म। व। य। म। म। ॥ ० ॥ ० ॥ ॥ श्री। गुरु। कृ। द्वा। ता। ॥
 श्री। रु। वा। त्रि। कृ। द्वा। ता। ॥ श्री। द। वि। कृ। द्वा। ता। ॥ वा। प्र। त। नि। कृ।
 द्वा। ॥ श्री। स। व। स। गि। कृ। द्वा। ता। ॥ कृ। य। नृ। कृ। मा। दा। दे। ज। य। त्रि। त्र
 मा। न। कि। त्रि। त्रि। ॥ उ। व। ति। जा। म। व। द। मा। दा। दा। ता। म। रु। उ। दि। अ
 दा। सृ। का। व। दा। सृ। ग। त्रि। ला। रु। त्रि। ला। रु। सृ। दि। जा। दा। अ। कृ। द

[illegible][illegible]

न लला लला मन्त्रः आयुः पितृभ्यः यदतिर्वैद्यः द्याया सा
उत्तमः ॥ ॐ स्वस्ति महादेव वायः ॥ ॐ भद्रि यात्रवति कवा वा ॥ वंवा
शक्ति ५ मण्ड ॥ ॥ आउत्र कदा हायिः आरुवाति कदा हा
कुः ॥ इवि वि कदा ॥ ॐ आवा मन्त्रि कदा हा ॥ ॐ आवा मन्त्रि
ति कदा हायिः ॥ कपू ल विष्णु २ महादेव ॥ अहं ल मान कि विष्णु
७ ॥ विजि जा न्वं व याः ॥ वं व ना ना दां ल उदिः ॥ अहा सकाः ॥ व

देवा ससः ॥ इत्या हा उः ॥ आ हा ॥ जाद जा कोदः साग म अउ
यादः ॥ अय र कवा वा नहिः ॥ सय र कवा वाः ॥ ॐ स्वद महादेव
ॐ भद्रि याद व ति कवा वा ॥ ७ ॥ सव व कर्मण ॥ ॥ ॐ ॥
कुं व सव कुं थ हि हि हि दृष्ट स्वाहा ॥ अरु ग जय याव वा स्या य
न किं गा दा व य ॥ ॐ मारं ति मारं ति जय जगति हिं द न स्वाहा
अरु २ थ अरु न यत या ॥ ॥ द न उ अ य य र ॥ ॥ ॐ द न स्वाहा
अरु ग ॥ वा ज य या उ वा य व हा ॥ ॥ वि य स ता य र ॥ ॥

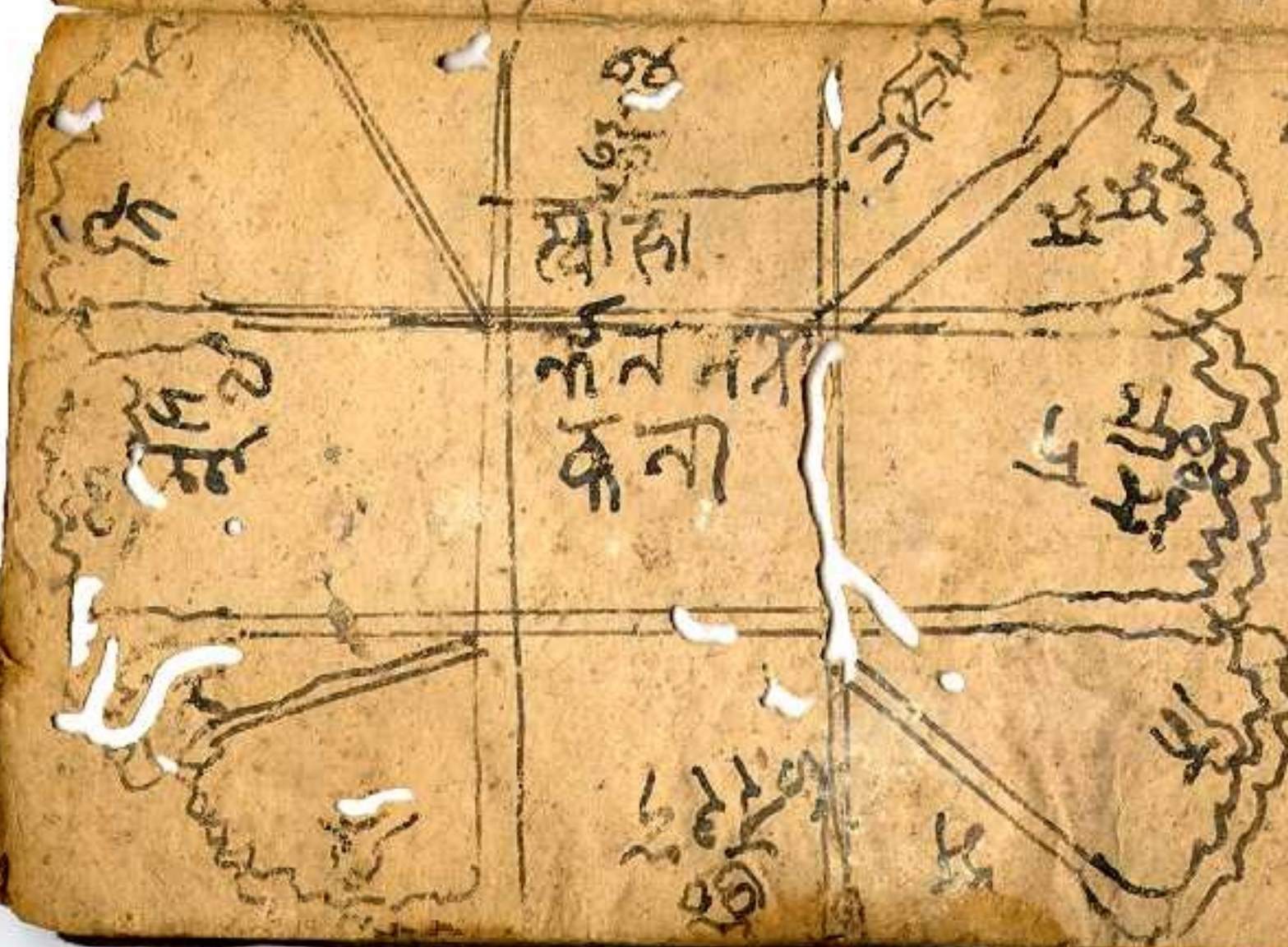
वि॥ ॐ मुनि॥ अथाकृष्ण॥ यिवत्रि॥ मत्रव॥ वाकृष्ण॥ ॥
रविद्रुतसंभुः क्रोसिजडाविभु॥ ॥ ताकाकृतिदास्यमानः विद्रु
यममता॥ सतिफाया॥ ॥ इद्रुकातयाकृष्णः स्त्रीयत्वाक॥ यिवत्रि॥
इनातरा॥ कृकदाय अययितयातिद्रु॥ इद्रुसवीतातयकृष्णतायाया॥
इद्रुकतामत्र॥ यिवत्रि॥ कवसिकिव॥ समतागयादावः यतावाकृष्ण
नामकृष्ण॥ गृत्रि विन्य॥ गृथकृगृत्रिः वहक्रिद्रुगृत्रिः स्यमसकिद्रु॥
भासा अतिद्रुतय॥ ॥ ॐ मुनि॥ अता॥ हजिजिः वाताताः

सुथः वाताता॥ सायासाकः वाताता॥ मत्रवः दम॥ किद्रुः वात॥ गृ
तमृहन्तः वाताता॥ सुथः वातति॥ यिवत्रिः दम॥ मिथः वाताता॥
वयि॥ दम॥ जिजिः वाताता॥ ॥ इद्रुदाः वाकृष्ण॥ ॐ मुनिः
अता॥ भायासाकः अता॥ यिवित्रः ताता॥ यिवितामत्रः ताता
॥ सुथः अता॥ तवद॥ मस॥ जिद्रुतः वाग्यतः गृद्रुतः दम॥
॥ अथि अगियावातयाथ॥ ॥ यूसकतामृत्त॥ जिजि॥ कृकता
सि॥ हजिजि॥ मिकसियाकिव॥ यिवताम॥ जिद्रु॥ कृत्त॥ ताता॥

जब बहुमानत्रिः अवात्रियति दुनाति विकस्यत॥ कलत्रि॥ अत्रि
मालायां च॥ ॥ सिधक॥ बभूवुः रसायन॥ म॥ ॥ पिता

॥ सिधकः ॥ गुरुत्रिः प्रसाजनः ॥ स्पथः ॥ त्रितायः
॥ पाषावितः मोताः वाकु यत मायाकिदा ॥ ताता १ द्वात्रः ॥ ताता १
शुद्धिरः नडादः दासः ॥ जिह्वानः वक्त्रिः ॥ शुभः ॥ मम ३ उति
सबूत इ मरः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
कृष्णाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



सायं श्रीम॥ सीवमय
नम॥ उदय॥ यम॥ अज॥
न॥ लो॥ मम॥ कृ॥ य॥ नम॥
द॥ य॥ य॥ नम॥ कृ॥ य॥ नम॥
न॥ कृ॥ य॥ नम॥
न॥ कृ॥ य॥ नम॥
न॥ कृ॥ य॥ नम॥